

आइपीएल की खिताबी भिड़ंत के पूर्व भारतीय सेना को शानदार ट्रिब्यूट

एजेंसी

आहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग के खिताबी मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु ने पंजाब किंग्स को जीत के लिए 191 रनों का लक्ष्य दिया। वर्ष 2016 के बाद पहली बार खिताबी मुकाबले तक पहुंची आरसीबी के लिए पूर्व कप्तान विराट कोहली ने सबसे अधिक 43 रनों की पारी खेली। उन्होंने 35 गेंदों में 3 चौके जड़े। टॉस पंजाब

किंग्स ने जीता और आरसीबी को पहले खेलने को कहा। आरसीबी ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 190 रन बनाये। आरसीबी के लिए सबसे ज्यादा रन पूर्व कप्तान विराट कोहली ने बनाये। विराट ने 35 बॉल में 3 चौकों के साथ 43 रनों की पारी खेली। वहीं जितेश ने 10 बॉल में 2 चौके और 2 छक्कों के साथ 24 रनों की पारी खेली। इन दोनों के अलावा लियाम लिविंगस्टोन ने 15 बॉल 25, मयंक यादव ने 18 बॉल में

आरसीबी के लिए कोहली ने सर्वाधिक 45 रन बनाये



24 और रजत पाटीदार ने 18 बॉल में 26 रन बनाये। आरसीबी को पहल झटका तब लगा जब जैमसन की गेंद

पर छक्का मारने की कोशिश में फिल साल्ट लॉगऑन पर ऊंचा कैच पंजाब के कप्तान श्रेवस अय्यर को थामा बैठे।

आखिरी के 19 रन बनाने में गिरे 4 विकेट : आरसीबी ने आखिरी 19 रन बनाने में 4 विकेट गंवाये। आखिरी के 5 ओवरों में 58 रन बनाने में 5 विकेट गंवाये। एक वक्त आरसीबी का 5 विकेट पर 171 रन था। जब पारी खत्म हुई तो 9 विकेट पर उसके नाम 190 रन थे। इस बीच जितेश शर्मा (24), रोमारियो शेफर्ड (17), कृणाल पंड्या (4) और भुवनेश्वर कुमार (1) आउट हुए।

जैमसन ने 4 विकेट झटके : पंजाब किंग्स के लिए काइल जैमसन ने सबसे ज्यादा 4 ओवर में 48 रन देकर 3 विकेट हासिल किये। अर्शदीप सिंह ने अंतिम ओवर में 3 विकेट झटके। उन्होंने रोमारियो शेफर्ड 17, कृणाल पंड्या 4 और भुवनेश्वर कुमार को 1 रन के निजी स्कोर आउट किया। इन दोनों के अलावा अजमतुल्लाह उमरजाई, युजवेंद्र चहल और विजय कुमार वैश्यक ने 1-1 विकेट चटकाया।

यूके के पूर्व पीएम ऋषि सुनक भी पहुंचे : ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक अपनी पत्नी के साथ आइपीएल 2025 का फाइनल मैच देखने नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहुंचे थे।

सेना को शानदार ट्रिब्यूट पेश किया : बीसीसीआइ ने फाइनल से पहले भारतीय सशस्त्र बलों को सम्मानित करने के लिए विशेष समारोह आयोजित किया। शंकर महादेवन ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देशभक्ति के गीत से पूरे स्टेडियम के दर्शकों को रमाचित कर दिया।

न्यूज डायरी

राज्य मंत्रिमंडल की कैबिनेट की बैठक आज

रांची। झारखंड कैबिनेट की बैठक 4 जून को होगी। बैठक में कई अहम फैसले लिये जाने की उम्मीद है। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने कहा है कि कैबिनेट की बैठक 4 जून को अपराह्न 4:00 बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इसकी अध्यक्षता करेंगे।

एनसीसी के विस्तार की घोषणा की संजय सेठ ने

भोपाल। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का योजनाबद्ध तरीके से विस्तार करने के साथ ही देश में तीन लाख कैडेट्स को जोड़ा जाएगा। श्री सेठ ने कहा कि देशभर में तीन लाख कैडेटों को जोड़ा जायेगा और एनसीसी का योजनाबद्ध तरीके से विस्तार किया जाएगा।

नदी में नहाने गये छात्र की डूबने से मौत

बेरमो। बेरमो अनुमंडल क्षेत्र के गोमिया में मंगलवार को खम्हरा स्थित नदी में डूबने से छात्र रोबिनसन कुमार की मौत हो गयी। वह पिट्स मॉडर्न स्कूल का छात्र था और अपने दोस्तों के साथ खम्हरा स्थित कोनार नदी में बने चेक डैम सह कथित देसी वाटरपार्क में नहाने गया था। सभी युवक पानी में गैद को दूर फेंककर उसे वापस लाने का खेल खेल रहे थे। दूर फेंकी गयी गैद को लाने के दौरान वह गहरी पानी में डूब गया।

तुर्किये में फिर तेज भूकंप से कई हताहत

नयी दिल्ली। तुर्किये के तटीय शहर माइमारिस में सोमवार देर रात 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के कारण कम से कम 5 की मौत हो गयी। कई लोग घायल हैं। तुर्किये टेलीविजन ने बताया कि रोड्स के ग्रीक द्वीप सहित आसपास के क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किये गये।

पाकिस्तान में भूकंप, जेल तोड़कर भागे 200 कैदी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सोमवार की रात आये भूकंप से मची अफरा-तफरी में कराची के एक जेल से 216 कैदी जेल से भाग गये। जेलब्रेक की इस घटना में कई लोगों को चोटें लगी हैं और एक कैदी की मौत हुई है। गोलीबारी में कई भी घायल हैं। कराची में हाई अलर्ट जारी है।

कार्टून कोना

सीजफायर को लेकर फिर बदले बयान

नेता देशी हो या विदेशी सभी के गुण मिलते जुलते होते हैं।



ग्रामसभा में बाहरी लोगों के आने की खबर पर गये थे पुलिस के जवान

लापुंग में पुलिस दल पर हमला थाना प्रभारी समेत तीन घायल

खबर मंत्रा संवाददाता

रांची। रांची जिले के लापुंग थाना क्षेत्र के कोइनारा गांव में जमीन विवाद के मामले को लेकर मंगलवार को चल रही ग्रामसभा में लापुंग थाना के पुलिसकर्मियों पर उग्र ग्रामीणों ने हमला बोल दिया। हमले में लापुंग थाना प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मियों घायल हो गये। थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव का प्रारंभिक इलाज कर उन्हें रांची लाया गया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में रेफ की कंपनी और जिला पुलिस के जवानों के साथ भारी संख्या में पुलिस की टीम लापुंग के कोइनारा



गांव में छापाकारी अभियान चला रही है। इस मामले में पूर्व नक्सली पुनिया उरांव पर एफआईआर की जा रही है। इधर डीआईजी सह रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने अस्पताल जाकर घायल थाना प्रभारी से भेंट की। उन्होंने चिकित्सक से थानेदार का बेहतर इलाज करने का अनुरोध किया।

भड़का रहे बाहरी लोग : डीएसपी

बेड़ो डीएसपी अशोक राम ने बताया कि लापुंग में जमीन के विवाद को लेकर चल रही ग्रामसभा में कुछ असामाजिक तत्वों की मौजूदगी की सूचना पर थाना प्रभारी ग्रामसभा में पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि पुलिस को देखकर हरवे हथियार से लैस ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। मौके पर मौजूद पुलिस अफसरों ने ग्रामीणों को यह समझाने की कोशिश की कि बाहरी और नक्सल आंदोलन से जुड़े लोग गलत राह पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं, पर ग्रामीण उत्तेजित हो गये। इसी सप्ताह रांची के बेड़ो थाना पर भी हमला किया गया था। उस मामले की जांच में बाहरी लोगों का ही हाथ सामने आया था। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से लोग भी बेड़ो पहुंचे थे। उन्होंने ग्रामीणों को उकसाकर थाना में हमला कराने की घटना को अंजाम दिया था। तनाव को देखते हुए अतिरिक्त बल की तैनाती की गयी है।

पूर्व नक्सली का भी नाम आ रहा

पुलिस पर हमले के बाद लापुंग में माहौल गर्म है। घटना के पीछे जो बात निकल कर आयी, वो डैरान कर देने वाली है। बताया जा रहा है कि जिस जमीन पर ग्रामीण खेती कर रहे हैं वो जमीन किसी और की है। अब बाहर से आये कुछ असामाजिक तत्व और कुछ पूर्व नक्सली वहां के ग्रामीणों को भड़का रहे हैं। पहड़ा समाज के लोग ग्रामीणों को उस जमीन का मालिक बनने की राय दे रहे हैं ताकि उस जमीन पर कब्जा किया जा सके। बेड़ो थाना पर हमले के बाद अब लापुंग में भी राज्य के बाहर से आकर वे साजिश रच रहे हैं। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में पूर्व नक्सली पुनिया उरांव का भी नाम सामने आया है। जिस जमीन को लेकर ग्राम सभा बुलायी गयी थी उसमें भी पुनिया शामिल था। उसी ने पुलिस पर हमले के लिए ग्रामीणों को उकसाया भी था। ग्रामीण एसपी ने बताया की पुनिया पर भी एफआईआर दर्ज की जा रही है।

कोल इंडिया ने आइपीओ के लिए पेपर सौंपे बीसीसीएल का आयेगा आइपीओ 46.57 करोड़ इक्विटी शेयर बिकेंगे

खबर मंत्रा ब्यूरो

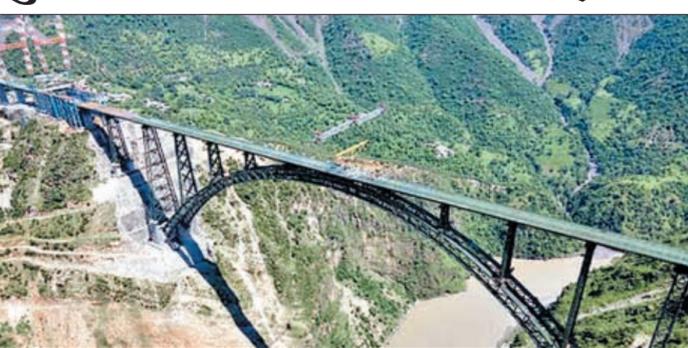
रांची। कोल इंडिया लिमिटेड ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी 'भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल)' के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए ड्रॉफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (एसइबीआई-सेबी), एनएसई और बीएसई को सौंप दिया है। यह आइपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल होगा, जिसमें कोल इंडिया बीसीसीएल के 46.57 करोड़ इक्विटी शेयर बेचेगी। इसमें कोई नया शेयर जारी नहीं किया जाएगा, इसलिए इस आइपीओ से होने वाली पूरी राशि कोल इंडिया को ही जाएगी। इस आइपीओ से जुड़े प्राइस बैंड, लॉट साइज जैसी महत्वपूर्ण

जानकारी बाद में बुक रनिंग लीड मैनेजर्स से परामर्श कर घोषित की जाएगी। इस आइपीओ में आईसीआईसीआई सिक्वोरिटीज और आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्वोरिटीज लीड मैनेजर्स की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि केफिन टेकनोलॉजीज को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। गौरतलब है कि बीसीसीएल से ठीक एक हफ्ते पहले ही कोल इंडिया की एक और सहायक कंपनी सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इस्टिम्प्ट (सीएमपीडीआई) ने भी 7.14 करोड़ शेयरों की बिक्री वाले ओएफएस आधारित आइपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया था। दोनों कंपनियां एनएसई और बीएसई पर लिस्ट होने की योजना बना रही हैं, जिससे उन्हें बाजार में ज्यादा दृश्यता और परिचालनिक लचीलापन मिल सकेगा।

विनय कुमार चौबे की हिरासत अवधि 9 जून तक बढ़ी

रांची। शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार आईएएस विनय चौबे, तत्कालीन संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह सहित पांच आरोपियों की पेशी मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एसीबी कोर्ट में हुई। कोर्ट ने इन सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत की अवधि 9 जून तक के लिए बढ़ा दी। मंगलवार को विनय चौबे की ओर से उनके वकील ने रिम्म में उनसे मिलने की अनुमति एसीबी कोर्ट से मांगी थी। कोर्ट ने सुनवाई के बाद अनुमति प्रदान की। दरअसल, बीते दिनों एसीबी की टीम ने दो दिनों की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद कोर्ट ने उन्हें जेल भेज दिया था। हालांकि बीमार रहने के कारण विनय चौबे रिम्म में भर्ती हैं। मालूम हो कि 20 मई को विनय चौबे और तत्कालीन संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह को शराब घोटाला मामले में एसीबी की टीम ने गिरफ्तार किया था।

पीएम कल दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल 'चिनाब ब्रिज' का करेंगे उद्घाटन



एजेंसी

जम्मू। केंद्रीय अंतरिक्ष विभाग के मंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 जून को दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल-चिनाब ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। यह पुल जम्मू और कश्मीर में उधमपुर-

श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लिंक परियोजना का हिस्सा है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक्स प्रेस पोस्ट में बताया कि चिनाब ब्रिज नए भारत की ताकत और दूरदर्शिता का गौरवशाली प्रतीक है। यह पुल प्रकृति की सबसे कठिन परीक्षाओं का सामना करने में सक्षम है। इसकी ऊंचाई 359 मीटर है जो पेरिस के एफ्ल टॉवर से भी

अधिक है। यह ब्रिज है 250 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से चलने वाली हवाओं को झेलने में सक्षम है। इसके निर्माण में लगभग 30,000 मीट्रिक टन स्टील का इस्तेमाल किया गया है। यह इतिहास में पहली बार आधिकारिक तौर पर कश्मीर घाटी को रेल के माध्यम से शेष भारत से जोड़ेगा।

पोड़ैयाहाट में कांग्रेस नेता महेंद्र टुडू की गोली मारकर हत्या

गोड्डा। पोड़ैयाहाट प्रखंड में कांग्रेस के पंचायत अध्यक्ष महेंद्र टुडू की अपराधियों ने सोमवार की शाम गोली मारकर हत्या दी। पूरे मामले पर स्थानीय विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि यह घटना दुःखद है और पुलिस अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई कर उन्हें सजा दे। महेंद्र टुडू पूर्व मुखिया और सीएसपी संचालक भी थे। अज्ञात अपराधियों की गोली से घायल टुडू का स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिर उन्हें देवघर और बाद में हालत में सुधार न होने पर दुर्गापुर रेफर कर दिया गया, जहां उनकी मौत हो गयी। मरने से पहले उनके लिए बयान के अनुसार चार की संख्या में अपराधी आये थे। संभवतः उनकी लूटपाट की मंशा थी। घटना की सूचना मिलने के बाद गोड्डा एसडीपीओ अशोक प्रियदर्शी और पोड़ैयाहाट थाना प्रभारी दल-बल के साथ वहां पहुंचे और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी।

नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) ने नींद की कमी पर अध्ययन रिपोर्ट जारी की

स्कूल जाने वाले एक-चौथाई बच्चों की पूरी नहीं हो रही नींद, स्क्रीन टाइम बन रही बाधा : वीके पॉल

स्वास्थ्य सलाह

एजेंसी

नयी दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. (प्रो.) वी.के. पॉल ने सोमवार को नींद की कमी पर एक अध्ययन जारी करते हुए कहा कि आज एक-चौथाई स्कूली बच्चे पर्याप्त नींद से वंचित हैं, जिससे उनमें मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केन्द्र (एनएचएसआरसी)



और सर गंगा राम अस्पताल द्वारा संयुक्त रूप से किए गए अध्ययन में 12-18 वर्ष की आयु के स्कूल जाने वाले किशोरों में नींद की कमी की व्यापकता और यह किस प्रकार संज्ञानात्मक कार्यों को प्रभावित करती है, इस पर फोकस किया गया था। श्री पॉल ने कहा कि पर्याप्त



नींद, मस्तिष्क के कामकाज, मजबूत प्रतिरक्षा, श्रेष्ठ प्रदर्शन और स्मृति के लिए महत्वपूर्ण है। यह एक मौलिक जैविक आवश्यकता है। उन्होंने कम से कम सात-आठ घंटे की नींद लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों में नींद की कमी का स्वास्थ्य पर प्रभाव

आज के शैक्षणिक माहौल में एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। वीके. पॉल ने स्क्रीन टाइम का जिक्र किया, जो नींद में बड़ी बाधा है। उन्होंने बच्चों को अधिक बुद्धिमान, सक्षम और कुशल बनाने के लिए सकारात्मक नींद को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। विशेषज्ञ ने स्वास्थ्य पेशेवरों और नीति निर्माताओं से देश में बच्चों और युवाओं की नींद की स्थिति में सुधार लाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

अध्ययन के निष्कर्ष

225 प्रतिशत किशोरों नींद से वंचित हैं, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण धिता का विषय। 60 प्रतिशत प्रतिभागियों में अवसाद के लक्षण दिखे, जबकि 65.7 प्रतिशत किशोरों में कम से मध्यम स्तर की संज्ञानात्मक कमजोरी दिखी। स्क्रीन टाइम के अतिरिक्त, स्कूल की दिनचर्या और पारिवारिक आदतें भी नींद की गुणवत्ता को करती हैं प्रभावित, दिन में कमजोरी और अस्वस्थता महसूस करने के आते हैं लक्षण। आठ घंटे नींद लेने लेना आवश्यक

बीएसएल प्लांट में हॉट मेटल गिरने से पांच मजदूर झुलसे

खबर मंत्रा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट में के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 में हॉट मेटल गिरने से पांच मजदूर झुलसे गए। सभी घायल मजदूरों को बोकारो जनरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। एक मजदूर की हालत गंभीर बतायी जा रही है। इस घटना के बाद सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठ रहे हैं। प्लांट में झुलसे मजदूरों की पहचान नंदकिशोर, रुपलाल गोरई, आनंद मंडल, समर कुमार और छोटेलाल मांडी के रूप में हुई है। सुरक्षा इंतजामों की लापरवाही पर प्लांट के कर्मचारियों सहित श्रमिक नेताओं ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस प्रकार की घटनाएं लगातार हो रही हैं, लेकिन



बीएसएल प्रबंधन सुरक्षा की ओर से अनदेखी कर रहा है। कोई टोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही बीएसएल के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लेते हुए अस्पताल के डॉक्टरों को बेहतर इलाज का निर्देश दिया। प्लांट प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है लेकिन आंतरिक जांच शुरू होने की जानकारी मिली है।

शारीरिक असंतुलन

दरअसल, शोध में पाया गया कि डेल्टा वैरिएंट के चलते मानव शरीर में रासायनिक असंतुलन पैदा हुआ था। फलतः कैटेकोलामाइन और थायराइड हार्मोन पैदा करने की प्रक्रिया में अवरोध उत्पन्न हुआ। जिसकी वजह से कोविड से उबरने लोगों में कालांतर साइलेंट हार्ट अटैक और थायराइड में व्यवधान की स्थितियां पैदा हुईं। इसी हालिया अध्ययन में यह भी खुलासा हुआ कि कोरोना के शिकार हुए लोगों में स्वस्थ होने के बावजूद, उनके शरीर में यूरिया और अमीनो एसिड मेटाबोलिज्म में व्यवधान होने की पुष्टि भी हुई है। दरअसल, अचानक होने वाली मौतों, जिसे आमतौर पर साइलेंट हार्ट अटैक कहा जाता है, में वे लक्षण नहीं दिखाई देते जो सामान्यतः हार्ट अटैक होने पर नजर आते हैं। मसलन बेचैनी, पसीना आना, सीने में दर्द होना और सांस फूलने जैसे लक्षण दिखाई नहीं दिए। इसमें व्यक्ति कटे पेड़ की तरह अचानक नीचे गिर जाता है, जब तक उसके उपचार की कोशिश होती है तब तक पता चलता है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। दरअसल, यह स्थिति कार्डियक अरेस्ट से भिन्न है, जिसमें दिल की धड़कन बंद होती है। चिकित्सक इस स्थिति से बचाव के लिये नियमित आधे घंटे टहलने, गैर-संक्रामक रोगों मसलन उच्च रक्तचाप व मधुमेह पर नियंत्रण, तली-धुनी चीजों व डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों से परहेज, सिगरेट-शराब से तौबा करने की सलाह दे रहे हैं। साथ ही साइलेंट हार्ट अटैक आने पर उसे तुरंत कार्डियो पल्मोनरी रिसीविटेशन यानी सीपीआर देने की राय दे रहे हैं। देश में लगभग 20 लाख लोगों की मौत इस वजह से हो रही है। जिसे लगातार देने से जान बचाने की कोशिश की जा सकती है। जिसको लेकर समाज में जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है, क्योंकि रोगी की जान बचाने में सहायक साबित हो सकता है। जिसके बाद आपातकालीन चिकित्सा सुविधा किसी हद तक मददगार साबित हो सकती है।

आज का राशिफल

मेघ : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष : अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह : संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्देग बढ़ेगा।

संस्थापक
स्व. डॉ. अभय कुमार सिंह

स्वामिच वृन्दा मीडिया
पब्लिकेशन्स
प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोडेया रोड, रंजी (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिन : -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN2013/51797
धनबाद कार्यालय
लुबी सकुल रोड, धनबाद
826001 से प्रकाशित।
(R.N.I.No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रंजी न्यायालय में ही होगा।

आतंक के लालगढ़ में अब लहराने लगा तिरंगा

चार दशक से ज्यादा समय तक नक्सलवाद का शिकार रहे छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले को अब वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) जिले की सूची से बाहर कर दिया गया है। अपने आप में ये बड़ी खबर है। दरअसल नरेन्द्र मोदी सरकार का लक्ष्य है कि मार्च 2026 तक भारत पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो जाए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी कई बार सार्वजनिक मंच से इस बात को दोहरा चुके हैं। शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर में अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग मंचों से नक्सलियों को चेतावते हुए कहा था कि हथियार डाल दें। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे। उन्होंने एक डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद को खत्म कर दिया जाएगा। शाह के डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं।



सुरक्षा बलों, पुलिस ने मिलकर कार्रवाई की। इससे नक्सली घटनाओं में जबरदस्त कमी आयी। 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जिसे भारत की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती कहा था, वही नक्सलवाद अब खत्म होता डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं।



पिछले एक दशक में मिली सफलता का श्रेय सुरक्षा रणनीति के साथ ही विकास योजनाओं में आई तेजी को भी जाता है। सरकार ने लक्षित विकास योजनाएं चलाई, जिनसे लोगों का भरोसा दोबारा जीता जा सका। सड़क और मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कामों ने स्थानीय लोगों के दिलों में जगह बनाई है।

नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से हुई है। इसकी शुरुआत स्थानीय जमींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद को लेकर एक किसान की पिटाई की थी। यह आंदोलन जल्द ही पूर्वी भारत के छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे कम विकसित क्षेत्रों में फैल गया। वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) को दुनिया भर में माओवादी और भारत में नक्सलवादी के नाम से जाना जाता है। वे सशस्त्र क्रांति के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना की वकालत करते हैं। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल राज्यों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित माना जाता है।

देश में भाजपा सरकार बनने के बाद 2015 में नक्सलवाद के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की नीति बनाई गई। तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने आठ सूत्री समाधान एक्शन प्लान बनाया। इसमें नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई और नक्सली इलाकों में विकास के काम एक साथ किए गए। नक्सलियों के खिलाफ राज्य सरकारों के विशेष बल, केंद्रीय

योजना बनाई थी। 2013 में लगभग 126 जिलों में नक्सली सक्रिय थे। वर्तमान में नक्सलवाद से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटकर 6 हो गई। इनमें छत्तीसगढ़ के चार जिले- बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा, झारखंड का एक जिला- पश्चिमी सिंहभूम और महाराष्ट्र का एक जिला- गढ़चिरोली शामिल है।

वर्ष 2025 में सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में अब तक 287 नक्सली मारे जा चुके हैं। वहीं 865 ने समर्पण किया है और 830 गिरफ्तार हुए हैं। गत 21 मई को सुरक्षाबलों ने अन्नमाला में डेढ़ करोड़ के इनामी नंबला केशव उर्फ बसवराज को मार गिराया। वह तीन दशक से सक्रिय था। बासवराज की मौत के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर लिखा था कि महासचिव स्तर के बड़े नक्सली नेता को मारा गया है। इस कामयाबी को हासिल करने वाला ह्याऑपरेशन ब्लैक फोरिस्ट की सुविधियों में है।

जेडई एडवांस्ड 2025 परिणाम घोषित: आगे की राह और चॉइस फिलिंग का महत्व

प्रशांत झा
जेडई एडवांस्ड 2025 परीक्षा के परिणाम कल, 2 जून 2025 को घोषित कर दिए गए हैं। आईआईटी कानपुर द्वारा परिणामों जारी किया गया है।

कितने छात्र हुए शामिल और कितने सफल?
इस वर्ष जेडई एडवांस्ड 2025 के लिए कुल 1,87,223 (लगभग) छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 1,80,422 (लगभग) छात्र दोनों पेपरों में उपस्थित हुए। इन में से कुल 54,378 (लगभग) उम्मीदवारों ने जेडई एडवांस्ड 2025 की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। सफल उम्मीदवारों में 44,974 (लगभग) पुरुष और 9,404 (लगभग) महिला उम्मीदवार शामिल हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में योग्य उम्मीदवारों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है, जो 2024 में 48,248 (लगभग) थी।

करियर
कुल 360 अंकों में से न्यूनतम 37 अंक। (प्रतिशत के रूप में: प्रत्येक विषय में 2.92%, कुल 10.28%)
अब आगे क्या करें छात्र?
जेडई एडवांस्ड का परिणाम आने के बाद, सफल उम्मीदवारों के लिए अगला महत्वपूर्ण कदम जोसा (संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण) काउंसिलिंग प्रक्रिया है। जोसा के माध्यम से ही आईआईटी, एनआईटी, ट्रिपल आईआईआईटी और अन्य सरकारी वित्त पोषित तकनीकी संस्थानों में सीटों का आवंटन किया जाता है।
चॉइस फिलिंग क्या है?
चॉइस फिलिंग जोसा काउंसिलिंग प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण है। इसमें सफल उम्मीदवार अपनी रैंक, श्रेणी और वरीयता के अनुसार आईआईटी और अन्य संस्थानों में उपलब्ध विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों और संस्थानों का चयन करते हैं। यह एक ऑनलाइन

प्रक्रिया है जहाँ छात्र अपनी पसंद के कॉलेज और ब्रांच को प्राथमिकता के क्रम में भरते हैं।
चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया (स्टेप बाय स्टेप):जोसा 2025 काउंसिलिंग के लिए पंजीकरण और चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया 3 जून 2025 से शुरू हो गई है। यह प्रक्रिया निम्नलिखित चरणों में संपन्न होगी: * जोसा पोर्टल पर लॉग इन करें: जोसा की आधिकारिक वेबसाइट www.josaa.ac.in पर जाकर अपने जेडई एडवांस्ड एप्लीकेशन नंबर और पासवर्ड से लॉग इन करें * चॉइस फिलिंग लिंक पर क्लिक करें: लॉग इन करने के बाद, आपको चॉइस फिलिंग या विकल्प भरें का लिंक मिलेगा। इस पर क्लिक करें। अपनी पहचान सत्यापित करने के लिए पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओ.टी.पी दर्ज करें। * विकल्पों को जोड़ना और व्यवस्थित करना: आपको उपलब्ध संस्थानों और पाठ्यक्रमों की पूरी सूची दिखाई देगी। आप अपनी पसंद संस्थानों और पाठ्यक्रमों को ऐड बटन

पर क्लिक करके अपनी सूची में जोड़ सकते हैं। दाईं ओर, आपके चुने हुए विकल्प प्राथमिकता के क्रम में प्रदर्शित होंगे। आप रमोभ (विकल्प हटाने के लिए), उप्प (विकल्प को ऊपर ले जाने के लिए), और डाउन (विकल्प को नीचे ले जाने के लिए) बटनों का उपयोग करके अपनी पसंद के क्रम को जितनी बार चाहें बदल सकते हैं। * विकल्पों को नियमित अंतराल पर सहेजें: यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप अपने द्वारा भरे गए विकल्पों को नियमित रूप से सहेजते रहें। यदि आप उन्हें सहेजते नहीं हैं, तो आपके द्वारा किए गए परिवर्तन खो सकते हैं। * विकल्पों को लॉक करें: जब आप अपने द्वारा चुने गए विकल्पों और उनके क्रम से पूरी तरह संतुष्ट हों, तो जोसा द्वारा निर्धारित अंतिम तिथि से पहले अपने विकल्पों को लॉक कर दें। एक बार लॉक करने के बाद, आप अपने विकल्पों में कोई बदलाव नहीं कर पाएंगे। इसलिए, लॉक करने से पहले सभी विकल्पों की सावधानीपूर्वक समीक्षा करें।

चॉइस फिलिंग के दौरान विशेष मार्गदर्शन की आवश्यकता क्यों ?

सामान्य गलती न करने, जैसे कि कम **एडमिशन** के साथ छात्रों को सही प्रक्रिया के दौरान छात्रों पर काफी मानसिक दबाव होता है। विशेषज्ञ **चॉइस फिलिंग** एक अत्यंत महत्वपूर्ण चरण है और इसमें विशेषज्ञ मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। इसके कई कारण हैं: * जटिल प्रक्रिया: जोसा काउंसिलिंग में बड़ी संख्या में संस्थान और पाठ्यक्रम होते हैं। अपनी रैंक, श्रेणी और रुचि के अनुसार सर्वश्रेष्ठ विकल्पों का चयन करना एक जटिल कार्य हो सकता है। * सीट आवंटन एल्गोरिथम को समझना: जोसा सीट आवंटन एक विशिष्ट एल्गोरिथम का पालन करता है। विशेषज्ञ इस एल्गोरिथम को बेहतर ढंग से समझते हैं और छात्रों को उनकी रैंक के आधार पर सर्वोत्तम संभावित सीटों को सुरक्षित करने में मदद कर सकते हैं। * गलतियों से बचाव: एक छोटी सी गलती भी एक अच्छे संस्थान या पसंदीदा ब्रांच में प्रवेश के अवसर को खींच सकती है। विशेषज्ञ यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि छात्र कोई

निर्णय लेने में मदद करते हैं। * नवीनतम रुझान: काउंसिलिंग प्रक्रिया में हर साल कुछ बदलाव या रुझान हो सकते हैं। विशेषज्ञ इन रुझानों से अवगत रहते हैं और छात्रों को तदनुसार अपनी चॉइस फिलिंग रणनीति को समायोजित करने में मदद कर सकते हैं। * मानसिक तनाव कम करना: परिणाम के बाद और काउंसिलिंग

मार्गदर्शन इस तनाव को कम करने और छात्रों को स्पष्टता के साथ निर्णय लेने में मदद करता है। जेडई एडवांस्ड में सफलता पाने वाले सभी छात्रों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं! अब यह समय है समझदारी से अपने अगले कदम को उठाने का, और इसमें विशेषज्ञ मार्गदर्शन आपके लिए बेहद सहायक साबित हो सकता है। (काउंसलर सह मॉडरेटर)

प्रकृति की गोद में बसा पूर्वोत्तर के राज्य मेघालय में स्थित यह होटल पर्यावरण सहेजने की दिशा में एक उदाहरण है। सौजन्य अजय सानी

कार्टून वर्ल्ड

